

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 11 सितंबर, 2023

क्राउन शायनेस

शीतोष्ण परणपाती वनों में शखिर शीलता (Crown Shyness) एक आम घटना है, जहाँ कुछ पेड़ों के शीर्ष एक-दूसरे को नहीं छूते हैं, जिससे उनके बीच अंतराल बन जाता है।

- यह पेड़ों की कई प्रजातियों में देखा जाता है, जैसे कब्लैक **मैंग्रोव**, **करपूर** और **जापानी लार्च**।
- वैज्ञानिकों के पास यह समझाने के लिये अलग-अलग परकल्पनाएँ हैं कि शखिर शीलता की स्थिति क्यों होती है, जैसे कप्रिकाश के आवगम में सरलता, रोग-संचरण को रोकना या हवा से होने वाली भौतिक कषतसे बचना।
- शखिर शीलता में जटिल पैटर्न बनते हैं और यह वन में प्रकाश के प्रवेश को बढ़ाता है।



भारत-फ्रांस द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास 'वरुण' का 21वाँ संस्करण

भारतीय और फ्राँसीसी नौसेनाओं के मध्य द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास **वरुण-23** का दूसरा चरण अरब सागर में संपन्न हुआ।

- इस अभ्यास में दोनों पक्षों के **नरिदेशति मसिाइल फ्रगिट, टैंकर, समुद्री गश्ती विमान** तथा अभिनि हेलीकॉप्टर शामिल थे।
- यह वगित वर्षों में **भारत एवं फ्राँस** के मध्य मज़बूत रणनीतिक संबंधों के प्रतीक के रूप में विकसित हुआ है। यह वर्ष **1993** में शुरू हुआ था तथा **आधिकारिक तौर पर** इसे वर्ष **2001** में नामित किया गया।

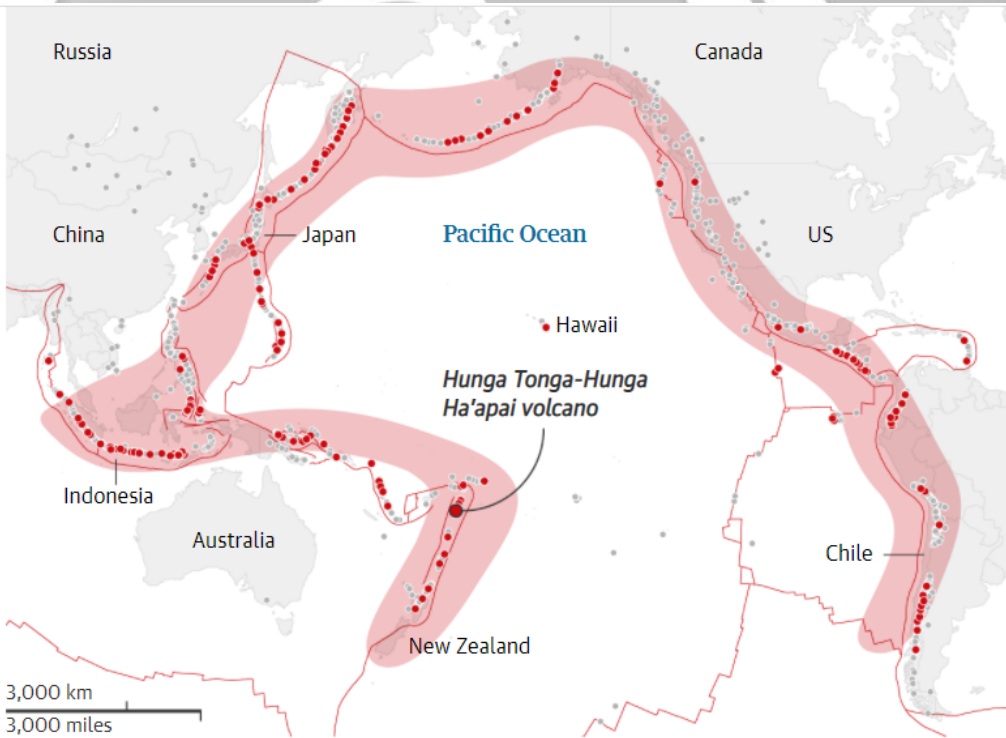
उस्ताद अली ज़ाकी हैदर

- प्रसिद्ध रुदर वीणा वादक, उस्ताद असद अली खान के शिष्य, **उस्ताद अली ज़ाकी हैदर धरुपद** के जयपुर बीनकर घराने की खंडरबानी शैली के अंतिम प्रतपादक थे।
 - धरुपद के जयपुर बीनकर घराने की खंडरबानी शैली एक संगीत परंपरा है, **शाहजी साहब ने इसकी शुरुआत 18वीं शताब्दी में की थी।**
- रुदर वीणा एक **पारंपरिक तार वाद्य यंत्र** है जिसकी उत्पत्ति उत्तर भारत में हुई है। यह बाँस, सागौन की लकड़ी, धातु, कद्दू और अन्य सामग्रियों से बना होता है।



हुंगा-टोंगा-हुंगा-हापाई ज्वालामुखी

- एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि **जनवरी 2022 में हुंगा-टोंगा-हुंगा-हापाई ज्वालामुखी** वसिफोट के दौरान चट्टानों और राख तेज़ी से समुद्र में गिर गई, जिससे **जल के नीचे एक उच्च गति और वनाशकारी मलबे का प्रवाह देखा गया**।
- हुंगा-टोंगा-हुंगा-हापाई ज्वालामुखी दक्षिण प्रशांत महासागर में एक **जलमग्न ज्वालामुखी** है। यह **टोंगा** के मुख्य द्वीप टोंगाटापू से 40 मील उत्तर में स्थित है।
 - इस ज्वालामुखी का निर्माण वर्ष 2015 में तब हुआ था जब एक मध्यम वसिफोट के कारण दो नरिजन द्वीप एक हो गए थे।
 - ज्वालामुखी **केरमाडेक-टोंगा प्रवर्षितन क्षेत्र** का हिस्सा है, जहाँ प्रशांत प्लेट, इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट के नीचे बलपूर्वक प्रवर्षित होती चली जाती है, जिससे ज्वालामुखियों और द्वीपों की एक लंबी श्रृंखला बनती है।



और पढ़ें...[टोंगा में ज्वालामुखी बसिफोट](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-11-september,-2023>

